स्वास्तिक न्यूज

मुख्य संपादक: विनय दिवान (मो. 94160-73460) संपादक: अभिषेक दिवान (मो. 74047-09000)

swastiknewssafidon@gmail.com | सफीदों | बुधवार 11 सितंबर, 2024 | वर्ष:03 | अंक :10 | प्रति शुल्क:2/- | RNI No. HARHIN/2021/87376

https://swastiknewsharyana.in/ | //facebook.com/swastiknews | YouTube SWASTIKNEWS

सफीदों से कांग्रेस प्रत्याशी सुभाष गांगोली के नामांकन में उमड़ा जनसैलाब

- नामांकन से पहले किया सफीदों की सूरत बदलने का वादा
- सफीदों में आईएमटी बनाकर देंगे 50 हजार से ज्यादा रोजगार

सतपाल ब्रह्मचारी ने साधा बीजेपी पर निशाना, कहा बीजेपी का हरियाणा छोड़ने का समय आ गया

कांग्रेस की सरकार बनते ही गुंडागर्दी होगी खत्म, 'या तो बदमाश बदमाशी छोड़ देंगे या हरियाणा छोड़ देंगे'

स्वास्तिक न्यूज/अभिषेक दीवान

सफीदों: कांग्रेस प्रत्याशी सुभाष गांगोली ने मंगलवार को दमखम के साथ अपना नामांकन दाखिल किया । उनके साथ सोनीपत से सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, इसरना से निवर्तमान विधायक बलबीर वाल्मीकि मौजूद रहे। सुभाष गांगोली ने जनता से कहा कि उनका मुकाबला किसी से नहीं है बीजेपी का हरियाणा से वनवास शुरू होने वाला है।

नामांकन भरने से पहले सफीदों की अनाज मंडी में जनसभा का आयोजन किया गया। यहां कार्यकताओं को संबोधित करते हुए सफीदों कांग्रेस प्रत्याशी सुभाष गांगोली ने भी कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि आज भाजपा से हर वर्ग का मोह भंग हो चुका है। हर वर्ग परेशान है। आने वाला समय कांग्रेस का है और कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है।

सरकार बनते ही फिर से लोगों को जनसुविधाएं मिलनी शुरू हो जाएंगी। सरकार आते ही सफीदों में आईएमटी बनवाने का काम करेंगे जिससे हलके में बेरोजगारी की समस्या खत्म होगी। आईएमटी आने से 50 हजार से ज्यादा युवाओं को रोजगार मिलेगा। कांग्रेस ही एक मात्र ऐसी पार्टी है, जो सभी को साथ लेकर चलती है। हर किसी को मान-सम्मान देती है।

सुभाष गांगोली ने कहा कि सफीदों के हक की आवाज को लेकर उन्होंने विधानसभा में भी आवाज मुखर की। भाजपा सरकार ने सफीदों के साथ सौतेला व्यवहार किया और पैरामेडिकल कालेज को भी जींद ले गई। उन्होंने पैरामेडिकल कालेज के लिए आवाज बुलंद की। सुभाष गांगोली ने कहा कि भाजपा सरकार में हरियाणा बेरोजगारी में सबसे अव्वल पहुंच गया है। कांग्रेस के कार्यकाल में बेरोजगारी नही थी, सबसे ज्यादा इन्वेस्टमेंट था ।

लेकिन आज लोग और उद्योगपति यहां से पलायन कर रहे हैं। लोकतंत्र को बचाना है तो कांग्रेस को लाना होगा। सुभाष गांगोली ने कहा कि बेटियों पर जुल्म हो रहा है, खिलाड़ी अपनी आवाज बुलंद करने के लिए जंतर-मंतर पर बैठे तो उन पर भी पुलिस की कार्रवाई करवाई गई। जबकि ये खिलाड़ी देश का गौरव हैं। वहीं देश की सुरक्षा में युवाओं का अहम योगदान है। युवा आर्मी में भर्ती होकर देश की रक्षा करता था। अब भाजपा सरकार ने स्थाई भर्ती की बजाय अग्रिवीर योजना के माध्यम से भर्ती शुरू कर दी है। इस दौरान शहीद होने वाले अग्निवीर को शहीद का दर्जा भी नही मिलता।

महज तीन साल की नौकरी के बाद घर भेज दिया जाता है। जिसके बाद वह फिर से बेरोजगार हो जाता है। जो राशि उसे दी जाती है, वह घर या भविष्य बनाने लायक नही होती। उन जवानों की निष्ठा भी नही रहती। जो की देश के बड़ी चुनौती भविष्य में खड़ी होने जा रही है। रोजगार न होने के कारण युवा विदेशों की तरफ पलायन कर रहा है। कांग्रेस सरकार आते ही अग्रिवीर योजना को बंद कर आर्मी में स्थायी भर्ती की जाएगी।

भाजपा के दस साल के राज को आप सब ने देख लिया: सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी

सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि भाजपा के दस साल के राज को आप सब ने देख लिया है। भाजपा की जनविरोधी नीतियों के चलते हर वर्ग को सडकों पर उतर कर अपने हक के लिए संघर्ष करने पर मजबूर होना पड़ा। कर्मचारियों, व्यापारियों, खिलाड़ियों ने अपनी आवाज उठाई तो उन पर लाठियां बरसाई गई। अब प्रदेश की जनता भाजपा को बाहर दिखाने का रास्ता करेगी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस राज आने के बाद गुंडागर्दी खत्म होगी और बदमाशों को हरियाणा छोड़ना पड़ेगा। कांग्रेस की गारंटीयों के साथ वोट के अपील की उन्होंने कहा प्रदेश में 2 लाख नौकरियां, प्रदेश में बुजुर्गों को 6000 पेंशन व ?500 में गैस सिलेंडर, 300 यूनिट बिजली फ्री गरीबों को 100-100 के गज के प्लांट के साथ प्रदेश में अनेक जनकल्याण योजनाएं शुरू की जाएंगी। इसके अलावा कर्मचारियों की पुरानी पेंशन स्कीम लागू की जाएगी।

रिटर्निंग आधिकारी को सौंपा गांगोली ने नामांकन

सफीदों विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम मनीष कुमार फौगाट ने बताया कि विधानसभा आम चुनाव 2024 के तहत नामांकन प्रक्रिया जारी है। मंगलवार को सोनीपत के सांसद सतपाल ब्रह्मचारी के साथ कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार सुभाष गांगोली तथा कवरिंग उम्मीदवार के तौर पर उनकी धर्मपत्नी बलकेश ने अपना नामांकन पत्र दाखिल करवाया है।

जनसैलाब उमड़ने की वजह से नहीं दिखी सड़क पर पांव रखने की भी जगह

जनसभा के बाद कांग्रेस प्रत्याशी कार्यकताओं के साथ रोड शो करते हुए नामांकन दाखिल करने के लिए निकले तो शहर में जाम की स्थिति बन गई।

जगह-जगह कांग्रेस प्रत्याशी सुभाष गांगोली का भव्य स्वागत किया गया। व्यापारियों, युवाओं, महिलाओं, आमजन का भरपूर समर्थन सुभाष गांगोली को मिला। उन्होंने भी सफीदों की जनता से वादा किया कि वो सफीदों की आवाज को कभी दबने नही देंगे। इस मौके पर अनेक लोगों ने पार्टियों को छोड़ कर सुभाष गांगोली के नेतृत्व में कांग्रेस को जॉइन किया।

मौके पर यह रहे मौजूद

इस मौके पर रणबीर भुसलाना, विक्रम कुंडू , जिला पार्षद हैप्पी कालवा, सिंगरोहा खाप के प्रधान रमेश, राजेंद्र शर्मा , सतपाल शर्मा, निर्भय सिंह, रामभज राठी, सत्यवान सेन, गौरव रोहिल्ला, सुरेंद्र राणा , नरेंद्र घनघस , सुखा मलिक, विजयपाल, राम पंडित, बिल्लू रिटोली, नरेश सरपंच। बिंदर ढठरथ, दिनेश धडोली,

इकबाल, हरजिंदर , रामफल, सोनपाल शर्मा, मोनू सैनी,मनोज दीवान , कप्तान बूरा, शमशेर सिंह, वरुण खरब, सुरेंद्र कालवा, पवन कालवा, राजेंद्र ढांड, संजीव मुआना, सुरेंद्र वत्स, सतपाल शर्मा, अनिल सरपंच, पवन सरपंच ,कर्मपाल शास्त्री, प्रधान राजपाल कुंडू, प्रशांत सिंगला, कृष्ण कुंडू, कुलदीप, कुलबीर, राजू राणा, पूर्व सरपंच सत्यनारायण कालवा, मनोज दिवान, बलिंद्र वकील, रमेश जांगड़ा, डॉ जगतार, सरदार निरवेल सिंह, राकेश कुंडू नम्बरदार, सारंग, रामभज राठी, निरंजन सरपंच, देवेन्द्र शर्मा, नवीन सरपंच भम्भेवा, चरण सिंह,प्रमोद गुर्जर भुसलाना, सतीश गुर्जर डिडवाड़ा, विकास गुर्जर, मनोज गुर्जर , शमशेर गुर्जर रिंकू गुर्जर जनक गुर्जर , सुखवंत सरपंच निम्नाबाद , जितेंद्र सरपंच , रघुवीर सिंह पूर्व सरपंच, पूर्व जिला पार्षद मदन, बलजीत, गुरपेज, रामपुरा सरपंच अंग्रेज, रणधीर राठी आदि मौजूद रहे।

सनातन धर्म में भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि श्री राधाष्टमी के नाम से प्रसिद्ध है

स्वास्तिक न्यूज/विनय दिवान

सनातन धर्म में भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि श्री राधाष्टमी के नाम से प्रसिद्ध है। शास्त्रों में इस तिथि को श्री राधाजी का प्राकट्य दिवस माना गया है। श्री राधाजी वृषभानु की यज्ञ भूमि से प्रकट हुई थीं। वेद तथा पुराणादि में जिनका ह्यकृष्ण वल्लभाह्ल कहकर गुणगान किया गया है, वे श्री वृन्दावनेश्वरी राधा सदा श्री कृष्ण को आनन्द प्रदान करने वाली साध्वी कृष्णप्रिया थीं। कुछ महानुभाव श्री राधाजी का प्राकट्य श्री वृषभानुपुरी (बरसाना) या उनके ननिहाल रावल ग्राम में प्रातःकाल का मानते हैं। कल्पभेद से यह मान्य है, पर पुराणों में मध्याह्न का वर्णन ही प्राप्त होता है।

शास्त्रों में श्री राधा कृष्ण की शाश्वत शक्तिस्वरूपा एवम प्राणों की अधिष्ठात्री देवी के रूप में वर्णित हैं अतः राधा जी की पूजा के बिना श्रीकृष्ण जी की पूजा अधूरी मानी गयी है। श्रीमद देवी भागवत में श्री नारायण ने नारद जी के प्रति ह्यश्री राधायै स्वाहाह्ल षडाक्षर मंत्र की अति प्राचीन परंपरा तथा विलक्षण महिमा के वर्णन प्रसंग में श्री राधा पूजा की अनिवार्यता का निरूपण करते हुए कहा है कि श्री राधा की पूजा न की जाए तो मनुष्य श्री कृष्ण की पूजा का अधिकार नहीं रखता। अतः समस्त वैष्णवों को चाहिए कि वे भगवती श्री राधा की अर्चना अवश्य करें। श्री राधा भगवान श्री कृष्ण के प्राणों की अधिष्ठात्री देवी हैं, इसलिए भगवान इनके अधीन रहते हैं। यह संपूर्ण कामनाओं का राधन (साधन) करती हैं, इसी कारण इन्हें श्री राधा कहा गया है। जन्माष्टमी के बाद भाद्रपद माह में ही राधा अष्टमी के त्योहार को मनाया जाता है। यह पर्व श्री राधा रानी को समर्पित है। इस खास दिन पर बरसाना समेत देशभर में खास उत्साह देखने को मिलता है। पौराणिक कथा के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर श्री राधा रानी का जन्म बरसाना में हुआ था। इसलिए इस दिन को राधा अष्टमी के रूप में मनाया जाता है। इस खास पर्व का श्रीकृष्ण भक्त बेसब्री से इंतजार करते हैं। राधा अष्टमी के लिए श्री राधा रानी के मंदिरों को बेहद सुंदर तरीके से सजाया जाता है और राधा रानी की विशेष उपासना की जाती है। पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 10 सितंबर को रात 11 बजकर 11 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन यानी 11 सितंबर को रात 11 बजकर 46 मिनट पर होगा। ऐसे में राधा अष्टमी 11 सितंबर को मनाई जाएगी। इस दिन पूजा करने का शुभ मुहूर्त सुबह 11 बजकर 03 मिनट से दोपहर 1 बजकर 32 मिनट तक है। मान्यता है कि इस मुहूर्त में पूजा करने से दोगुना फल प्राप्त होगा। जैसे भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित जन्माष्टमी का व्रत किया जाता है। ठीक वैसे ही राधा अष्टमी का व्रत किया जाता है। मान्यता है कि इस दिन राधा रानी की सच्चे मन से पूजा करने से वैवाहिक जीवन में खुशियों का आगमन होता है और पति-पत्नी के रिश्ते में मजबूती आती है। इसके अलावा व्यक्ति को धन, ऐश्वर्य, आयु एवं सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

इन चीजों का लगाएं भोग

मालपुआ

आप राधा अष्टमी के दिन मालपुए का भोग अवश्य लगाएं. पुराणों के अनुसार, राधारानी को मालपुए काफी पसंद हैं और भगवान श्रीकृष्ण को भी राधारानी के बनाए मालपुए काफी पसंद आते थे.

रबड़ी का भोग

राधा अष्टमी के दिन आप राधा रानी को रबड़ी का भोग लगा सकते हैं. रबड़ी का भोग किशोरी जी की सबसे पसंद में से एक माना जाता है. इसे आप घर पर आसानी से बना सकते हैं या फिर बाजार से ला सकते हैं.

राधाष्टमी कथा

श्रीकृष्ण भक्ति के अवतार देवर्षि नारद ने एक बार भगवान सदाशिव के श्री चरणों में प्रणाम करके पूछा ह्यह्यहे महाभाग ! मैं आपका दास हूं। बतलाइए, श्री राधादेवी लक्ष्मी हैं या देवपत्नी। महालक्ष्मी हैं या सरस्वती हैं? क्या वे अंतरंग विद्या हैं या वैष्णवी प्रकृति हैं? कहिए, वे वेदकन्या हैं, देवकन्या हैं अथवा मुनिकन्या हैं? सदाशिव बोले - ह्यह्यहे मुनिवर ! अन्य किसी लक्ष्मी की बात क्या कहें, कोटि-कोटि महालक्ष्मी उनके चरण कमल की शोभा के सामने तुच्छ कही जाती हैं। हे नारद जी ! एक मुंह से मैं अधिक क्या कहूं? मैं तो श्री राधा के रूप, लावण्य और गुण आदि का वर्णन करने मे अपने को असमर्थ पाता हूं। उनके रूप आदि की महिमा कहने में भी लज्जित हो रहा हूं। तीनों लोकों में कोई भी ऐसा समर्थ नहीं है जो उनके रूपादि का वर्णन करके पार पा सके।

उनकी रूपमाधुरी जगत को मोहने वाले श्रीकृष्ण को भी मोहित करने वाली है। यदि अनंत मुख से चाहूं तो भी उनका वर्णन करने की मुझमें क्षमता नहीं है।नारदजी बोले - प्रभो श्री राधिकाजी के जन्म का माहात्म्य सब प्रकार से श्रेष्ठ है। हे भक्तवत्सल ! उसको मैं सुनना चाहता हूं।

हे महाभाग ! सब व्रतों में श्रेष्ठ व्रत श्री राधाष्टमी के विषय में मुझको सुनाइए। श्री राधाजी का ध्यान कैसे किया जाता है? उनकी पूजा अथवा स्तुति किस प्रकार होती है? यह सब सुझसे कहिए। हे सदाशिव! उनकी चर्या, पूजा विधान तथा अर्चन विशेष सब कुछ मैं सुनना चाहता हूं। आप बतलाने की कृपा करें। शिवजी बोले - वृषभानुपुरी के राजा वृषभानु महान उदार थे। वे महान कुल में उत्पन्न हुए तथा सब शास्त्रों के ज्ञाता थे।

अणिमा-महिमा आदि आठों प्रकार की सिद्धियों से युक्त, श्रीमान्, धनी और उदारचेत्ता थे। वे संयमी, कुलीन, सद्विचार से युक्त तथा श्री कृष्ण के आराधक थे। उनकी भार्या श्रीमती श्रीकीर्तिदा थीं। वे रूप-यौवन से संपन्न थीं और महान राजकुल में उत्पन्न हुई थीं। महालक्ष्मी के समान भव्य रूप वाली और परम सुंदरी थीं। वे सर्वविद्याओं और गुणों से युक्त, कृष्णस्वरूपा तथा महापतिव्रता थीं। उनके ही गर्भ में शुभदा भाद्रपद की शुक्लाष्टमी को मध्याह्न काल में श्रीवृन्दावनेश्वरी श्री राधिकाजी प्रकट हुईं। हे महाभाग ! अब मुझसे श्री राधाजन्म- महोत्सव में जो भजन-पूजन, अनुष्ठान आदि कर्तव्य हैं, उन्हें सुनिए। सदा श्रीराधाजन्माष्टमी के दिन व्रत रखकर उनकी पूजा करनी चाहिए। श्री राधाकृष्ण के मंदिर में ध्वजा, पुष्पमाल्य, वस्त्र, पताका, तोरणादि नाना प्रकार के मंगल द्रव्यों से यथाविधि पूजा करनी चाहिए। स्तुतिपूर्वक सुवासित गंध, पुष्प, धूपादि से सुगंधित करके उस मंदिर के बीच में पांच रंग के चूर्ण से मंडप बनाकर उसके भीतर षोडश दल के आकार का कमलयंत्र बनाएं। उस कमल के मध्य में दिव्यासन पर श्री राधाकृष्ण की युगलमूर्ति पश्चिमाभिमुख स्थापित करके ध्यान, पाद्य-अर्घ्यादि से क्रमपूर्वक भलीभांति उपासना करके भक्तों के साथ अपनी शक्ति के अनुसार पूजा की सामग्री लेकर भक्तिपूर्वक सदा संयतचित्त होकर उनकी पूजा करें।

रिद्धि सिद्धि के दाता, विघ्नहर्ता हैं भगवान श्री गणेश

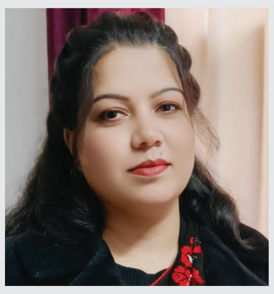

स्वास्तिक न्यूज/अनु शर्मा

गणेश चतुर्थी हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह त्योहार भारत के विभिन्न भागों में मनाया जाता है किन्तु महाराष्ट्र व कर्नाटका में बडी.धूमधाम से मनाया जाता है। पुराणों के अनुसार इसी दिन भगवान श्री गणेश जी का जन्म हुआ था।गणेश चतुर्थी पर हिन्दू भगवान गणेशजी की पूजा की जाती है। सनातन शास्त्रों के अनुसार इसी दिन रिद्धि सिद्धि के दाता, विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश जी का जन्म हुआ था। प्रत्येक शुभ और मांगलिक कार्यों में सर्वप्रथम गणेश जी को पूजा जाता हैं। गणेश जी को प्रथम पूज्य देव कहा गया है। श्री गणेश जी सुख समृद्धि दाता भी है। इनकी कृपा से परिवार पर आने वाले संकट और विघ्न दूर हो जाते हैं।[1] कई प्रमुख जगहों पर भगवान गणेश की बड़ी प्रतिमा स्थापित की जाती है। इस प्रतिमा का नौ दिनों तक पूजन किया जाता है। बड़ी संख्या में आस पास के लोग दर्शन करने पहुँचते है। नौ दिन बाद गानों और बाजों के साथ गणेश प्रतिमा को किसी तालाब, महासागर इत्यादि जल में विसर्जित किया जाता है। गणेशजी को लंबोदर के नाम से भी जाना जाता है ।

गणेश जी की पूजा विधि

गणेश चतुर्थी की पूजा विधि बहुत ही सरल और प्रभावी है। सबसे पहले भगवान गणेश की मूर्ति के सामने दीपक जलाएं और उन्हें पुष्प और फल अर्पित करें। इसके बाद गणेश मंत्रों का उच्चारण करें और गणेश चालीसा का पाठ करें। पूजा के अंत में गणेश जी की आरती करें और प्रसाद का वितरण करें। गणेश जी को प्रसन्न करने के लिए उन्हें मोडक, लड्डू और दूर्वा घास अर्पित करना चाहिए। गणेश का अर्थ होता है गणों का ईश और आदि का अर्थ होता है सबसे पुराना यानी सनातनी

कथा

शिवपुराण के अन्तर्गत रुद्रसंहिताके चतुर्थ (कुमार) खण्ड में यह वर्णन है कि माता पार्वती ने स्नान करने से पूर्व अपनी मैल से एक बालक को उत्पन्न करके उसे अपना द्वार पाल बना दिया। शिवजी ने जब प्रवेश करना चाहा तब बालक ने उन्हें रोक दिया। इस पर शिवगणोंने बालक से भयंकर युद्ध किया परंतु संग्राम में उसे कोई पराजित नहीं कर सका। अन्ततोगत्वा भगवान शंकर ने क्रोधित होकर अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। इससे भगवती शिवा क्रुद्ध हो उठीं और उन्होंने प्रलय करने की ठान ली। भयभीत देवताओं ने देवर्षिनारद की सलाह पर जगदम्बा की स्तुति करके उन्हें शांत किया। शिवजी के निर्देश पर विष्णुजीउत्तर दिशा में सबसे पहले मिले जीव (हाथी) का सिर काटकर ले आए। मृत्युंजय रुद्र ने गज के उस मस्तक को बालक के धड पर रखकर उसे पुनर्जीवित कर दिया। माता पार्वती ने हर्षातिरेक से उस गज मुख बालक को अपने हृदय से लगा लिया और देवताओं में अग्रणी होने का आशीर्वाद दिया। ब्रह्मा, विष्णु, महेश ने उस बालक को सर्वाध्यक्ष घोषित करके अग्रपूज्यहोने का वरदान दिया। भगवान शंकर ने बालक से कहा-गिरिजानन्दन! विघ्न नाश करने में तेरा नाम सर्वोपरि होगा। तू सबका पूज्य बनकर मेरे समस्त गणों का अध्यक्ष हो जा। गणेश्वर तू भाद्रपद मास के कृष्णपक्ष की चतुर्थी को चंद्रमा के उदित होने पर उत्पन्न हुआ है। इस तिथि में व्रत करने वाले के सभी विघ्नों का नाश हो जाएगा और उसे सब सिद्धियां प्राप्त होंगी। कृष्णपक्ष की चतुर्थी की रात्रि में चंद्रोदय के समय गणेश तुम्हारी पूजा करने के पश्चात व्रती चंद्रमा को अ?र्घ्य देकर ब्राह्मण को मिष्ठान खिलाए। तदोपरांत स्वयं भी मीठा भोजन करे। वर्ष पर्यन्त श्रीगणेश चतुर्थी का व्रत करने वाले की मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

दूसरी कथा

एक बार महादेवजी, पार्वती सहित नर्मदा के तट पर गए। वहाँ एक सुंदर स्थान पर पार्वती जी ने महादेवजी के साथ चौपड़ खेलने की इच्छा व्यक्त की। तब शिवजी ने कहा- हमारी हार-जीत का साक्षी कौन होगा? पार्वती ने तत्काल वहाँ की घास के तिनके बटोरकर एक पुतला बनाया और उसमें प्राण-प्रतिष्ठा करके उससे कहा- बेटा ! हम चौपड़ खेलना चाहते हैं, किन्तु यहाँ हार-जीत का साक्षी कोई नहीं है। अतः खेल के अन्त में तुम हमारी हार-जीत के साक्षी होकर बताना कि हममें से जीता, कौन हारा? खेल आरंभ हुआ। दैवयोग से तीनों बार पार्वती जी ही जीतीं। जब अंत में बालक से हार-जीत का निर्णय कराया गया तो उसने महादेवजी को विजयी बताया। परिणामतः पार्वती जी ने क्रुद्ध होकर उसे एक पाँव से लंगड़ा होने और वहाँ के कीचड़ में पड़ा रहकर दुःख भोगने का श्राप दे दिया।[7] बालक ने विनम्रतापूर्वक कहा- माँ! मुझसे अज्ञानवश ऐसा हो गया है। मैंने किसी कुटिलता या द्वेष के कारण ऐसा नहीं किया। मुझे क्षमा करें तथा शाप से मुक्ति का उपाय बताएँ। तब ममतारूपी माँ को उस पर दया आ गई और वे बोलीं- यहाँ नाग-कन्याएँ गणेश-पूजन करने आएँगी। उनके उपदेश से तुम गणेश व्रत करके मुझे प्राप्त करोगे। इतना कहकर वे कैलाश पर्वत चली गईं।

एक वर्ष बाद वहाँ श्रावण में नाग-कन्याएँ गणेश पूजन के लिए आईं। नाग-कन्याओं ने गणेश व्रत करके उस बालक को भी व्रत की विधि बताई। तत्पश्चात बालक ने 12 दिन तक श्रीगणेशजी का व्रत किया। तब गणेशजी ने उसे दर्शन देकर कहा- मैं तुम्हारे व्रत से प्रसन्न हूँ। मनोवांछित वर माँगो। बालक बोला- भगवन! मेरे पाँव में इतनी शक्ति दे दो कि मैं कैलाश पर्वत पर अपने माता-पिता के पास पहुँच सकूं और वे मुझ पर प्रसन्न हो जाएँ। गणेशजी 'तथास्तु' कहकर अंतर्धान हो गए। बालक भगवान शिव के चरणों में पहुँच गया। शिवजी ने उससे वहाँ तक पहुँचने के साधन के बारे में पूछा। तब बालक ने सारी कथा शिवजी को सुना दी। उधर उसी दिन से अप्रसन्न होकर पार्वती शिवजी से भी विमुख हो गई थीं। तदुपरांत भगवान शंकर ने भी बालक की तरह २१ दिन पर्यन्त श्रीगणेश का व्रत किया, जिसके प्रभाव से पार्वती के मन में स्वयं महादेवजी से मिलने की इच्छा जाग्रत हुई। वे शीघ्र ही कैलाश पर्वत पर आ पहुँची। वहाँ पहुँचकर पार्वतीजी ने शिवजी से पूछा- भगवन!

आपने ऐसा कौन-सा उपाय किया जिसके फलस्वरूप मैं आपके पास भागी-भागी आ गई हूँ। शिवजी ने 'गणेश व्रत' का इतिहास उनसे कह दिया। तब पार्वतीजी ने अपने पुत्र कार्तिकेय से मिलने की इच्छा से 21 दिन पर्यन्त 21-21 की संख्या में दूर्वा, पुष्प तथा लड्डुओं से गणेशजी का पूजन किया। 21वें दिन कार्तिकेय स्वयं ही पार्वतीजी से आ मिले। उन्होंने भी माँ के मुख से इस व्रत का माहात्म्य सुनकर व्रत किया।

खेतों में फानों को न जलाकर, आय का साधन बनाएं किसान : डीसी मोहम्मद इमरान रजा

स्वास्तिक न्यूज/विनय दिवान

जींद। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष पी राघवेन्द्र राव ने मंगलवार को वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से 2024 के दौरान धान की पराली जलाने की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए समीक्षा बैठक लेते हुए सभी जिलों के उपायुक्तों को निर्देश दिए। पराली जलाने के मामले में अति संवेदनशील गांवों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

इसके अलावा कृषि विभाग, ग्राम सचिव तथा पटवारियों की ग्राम स्तर पर टीमें बनाई जाएं जो कि किसानों को फसल अवशेष नही जलाने तथा पराली प्रबंधन के फायदों के बारे में जागरूक करेंगे। किसान धान फसल की कटाई एसएमएस लगी कंबाईनों से अनिवार्य करवाएं ताकि पराली प्रबंधन आसानी से किया जा सके। वीडियो कान्फ्रैंस के उपरात उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी गांवों में पराली जलाने की घटना न हो, इसके लिए कृषि अधिकारी गांव स्तर पर गठित नोडल अधिकारी से तालमेल स्थापित कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें। इसके अलावा नम्बरदारों ग्राम सचिवों से मिलकर गांवों में जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों को पराली न जलाने के बारे में प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि किसान पराली का उपयोग पशुचारे के साथ-साथ अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए भी कर सकता है। जहां पराली का उपयोग बिजली बनाने के लिए किया जाता है वहीं पराली का उपयोग अन्य सामग्री बनाने में भी किया जाता है। कृषि अधिकारी गांवों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर किसानों एवं महिलाओं को पराली जलाने से होने वाले नुकसान व उसके प्रबंधन की जानकारी दें।

उपायुक्त ने इस बताया कि जिला के जो 13 गांव रेड जोन में है उनपर विशेष ध्यान दिया जाए। जिनमें गांव अलेवा, श्री रागखेड़ा, दनौदाकलां, धमतान साहिब, चक उझाना, रसीदां, उझाना, जयपुर, मुआना, अलिपुरा, बडनपुर, करसिंधु शामिल है। उन्होंने बताया कि फसल कटाई के सीजन के दौरान प्रतिवर्ष किसानों द्वारा फसल अवशेष जलाने से वातावरण में प्रदूषण की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे जहां एक तरफ भूमि बंजर होती है वहीं वायु प्रदूषण से मानव जीवन व जीव जंतुओं पर भी संकट मंडराने लगता है।

फसल अवशेषों में आग लगाने से हवा में प्रदूषण के छोटे-छोटे कणों से पीएम 2.5 का स्तर अत्यधिक बढ़ जाता है और सांस लेने में तकलीफ होती है। सांस के रोगियों के लिए यह प्रदूषण और भी अधिक नुकसानदायक है। वहीं फसल अवशेष जलाने से पैदा हुए धूएं से अस्थमा व कैंसर जैसे रोगों को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि पराली को जलाने से भूमि में मौजूद कई उपयोगी बैक्टीरिया व कीट नष्ट हो जाते हैं वहीं मिट्टी की जैविक गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे फसल अवशेष प्रबंधन को अपनाएं, धान के फानों को जलाने की अपेक्षा उनका प्रबंधन करें।

उन्होंने कहा कि किसान फसल प्रबंधन कर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक सजगता का परिचय देते हुए पराली को न जलाएं बल्कि पराली के अवशेषों का उपयोग प्रभावी तरीके से करें। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति पराली को आग न लगाएं और दूसरों को भी इस बारे में जागरूक करें। सामूहिक संकल्प से ही हम जिला को प्रदूषण मुक्त बना सकते हैं। बैठक में जिला राजस्व अधिकारी राजकुमार, डीडीए सुरेन्द्र सिंह, एएई विजय कुण्डू , एसडीओ अनिल कुमार व सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जेल अधीक्षक द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने पर बिफरे सरकारी चिकित्सक

जेल डयूटी गए चिकित्सक के साथ जेल अधीक्षक ने किया दुर्व्यहार, सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

स्वास्तिक न्यूज/विनय दिवान

जींद। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन ने जिला कारागार अधीक्षक द्वारा नागरिक अस्पताल के चिकित्सक के साथ दुर्व्यवहार किए जाने के रोष स्वरूप सीएमओ डा. गोपाल गोयल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से सीएमओ को बताया गया कि जेल डयूटी जाने वाले चिकित्सकों के साथ आए दिन दुर्व्यवहार होता है। बावजूद इसके चिकित्सक ईमानदारी से कार्य करते हैं। एसोसिएशन ने दो दिन में इस मामले में कड़ा संज्ञान लिए जाने की बात कही है। अगर ऐसा नही किया जाता है तो एसोसिएशन बैठक कर आगामी ठोस निर्णय लेगी।

सीएमओ को ज्ञापन सौंपते हुए चिकित्सक।

हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन के आह्वान पर चिकित्सक नागरिक अस्पताल में प्रधान डा. बिजेंद्र ढांडा की अध्यक्षता में एकत्रित हुए। यहां डा. अमित मलिक ने बताया कि दो दिन पहले वो जेल डयूटी पर थे लेकिन उन्हें सुरक्षा गार्ड तक मुहैया नही करवाए गए। बावजूद इसके उन्होंने जिला कारागार में स्वास्थ्य जांच की। इस दौरान एक अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति ने उनसे जबरन दवाएं लिखने के लिए कहा।

जब उन्होंने जरूरत न होने की बात कही तो उन्हें देख लेने की धमकी दी। जिस पर उन्होंने जेल अधिकारियों से जेल अधीक्षक से बातचीत करवाने के लिए कहा लेकिन उनकी बात तक नही करवाई गई। जैसे-तैसे उन्होंने जेल अधीक्षक से पूरा मामला संज्ञान में लाया तो उन्होंने इस मामले में कार्रवाई करने की बजाए उनके साथ ही दुर्व्यवहार किया और उन्हें देख लेने की बात कही। जिस पर वो आ गए और पूरे मामले से एसोसिएशन व सीएमओ डा. गोपाल गोयल को अवगत करवाया। प्रधान डा. बिजेंद्र ढांडा ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में चिकित्सकों की भारी कमी है। बावजूद इसके जिला कारागार में डेपूटेशन पर चिकित्सकों की डयूटी लगाई जाती है। यहां चिकित्सकों को न तो सुरक्षाकर्मी उपलब्ध करवाए जाते हैं और न ही उनकी सुरक्षा पुख्ता की जाती है। यहां अपराधिक प्रवृत्ति के लोग कई तरह की धमकियां चिकित्सकों को देते हैं। अगर इसी तरह चिकित्सकों के साथ दुर्व्यवहार होता रहा और चिकित्सकों को सुरक्षा मुहैया नही करवाई गई तो उन पर हमला भी हो सकता है। एसोसिएशन ने सीएमओ को ज्ञापन सौंप कर मामले में कड़ा संज्ञान लिए जाने की बात कही है। डा. चंद्रमोहन, डा. सूरज, डा. विशाल, डा. स्नेह खर्ब ने कहा कि जब वो भी जेल डयूटी पर जाते हैं तो उनके साथ जेल अधीक्षक द्वारा दुर्व्यवहार किया जाता है। जब वो शिकायत करते हैं तो कोई संज्ञान नही लिया जाता है। एसोसिएशन ने चेताया कि अगर जल्द ही इस मामले में कड़ा संज्ञान नही लिया गया तो वो ठोस निर्णय लेने को मजबूर होंगे। इस मौके पर डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला व अन्य चिकित्सक मौजूद रहे।

40 सप्ताह में पैसा दोगुना करने का झांसा देकर 1500 लोगों से ठगे 12 करोड़

पुलिस ने अभियोग में 5 को किया नामजद

स्वास्तिक न्यूज/विशाल

सफीदों। एक कंपनी द्वारा 40 सप्ताह में पैसा दोगुना करने का झांसा देकर ठगे 12 करोड ठगने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। पुलिस को वार्ड नंबर 2 सफीदों निवासी नवीन ने जीएफएक्स अकेडमी प्रा. लि. के एमडी रिंकू ढांढा, उसकी पत्नी सीएमडी सोनिया ढांढा, सीईओ निर्दोष कुमार, मैनेजर अंजलि व एक अन्य मनप्रीत सिंह के खिलाफ शिकायत देकर कहा कि आरोपियों ने फर्जी कंपनियां बनाई हुई थी।

जिसमें लोगों को पैसा निवेश करके 40 सप्ताह में पैसा दोगुना वापिस करने की स्कीम का झांसा दिया गया था। उस कम्पनी में पैसा सप्ताह के हिसाब से पांच प्रतिशत वापिस आता था। उसके अलावा व उसके साथियों सचिन निवासी गांव सिंघाना, रोहित निवासी राजनगर (पानीपत), नवीन निवासी मडलौड़ा (पानीपत) व लविश निवासी सफीदों का आरोपियों के साथ अप्रैल 2022 में सम्पर्क हुआ था। आरोपियों ने उन्हे प्रभावित करने के लिए बडे-बडे सेमिनार व मीटिंगें की। इन मीटिंगों में उन्हे बताया गया कि वे 40 सप्ताह में उनके पैसे डबल कर देंगे और वे अपने नीचे टीम लगाकर पैसा कमा सकते हैं।

उनके बहकावे में आकर उन्होंने काम शुरू कर दिया धीरे-धीरे जैसे ही प्रोफिट आने लगा अपने रिश्तेदारों, दोस्तों व शहर के अन्य लोगों के पैसे भी लगवाने शुरू कर दिए। ऐसे करके उन्होंने करीब 1500 लोगों को कंपनी के जोड़ दिया और करीब 12 करोड़ रूपया कंपनी में जमा करवा दिया। कंपनी का पैसा लोगों को दिसंबर 2023 तक आता रहा लेकिन उसके बाद कंपनी ने पैसा देने में आनाकानी करनी शुरू कर दी। उसके बाद कहने लगे कि हमारा आपस में झगड़ा हो गया है और वे अगले महीने पैसे दे देंगे। ऐसा करते-करते उन्होंने मार्च भी निकाल दिया। अब आरोपियों ने पैसा देने से साफ मना कर दिया।

अब आरोपी दबंगई दिखाते हुए गुंडागर्दी पर आ गए हैं और वे हमारे ऊपर दबाव बनाने के लिए बदमाशों का नाम लेते है। इसके साथ-साथ कहते हैं कि अगर हमसे पैसा मांगा तो उनके खिलाफ झूठा मुकद्दमा दर्ज करवा देंगे। बना देंगे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 406, 420 व 34 के तहत मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

कन्हैया मित्तल ने लिया यूटर्न, कांग्रेस जॉइन करने से किया मना

स्वास्तिक न्यूज/सुनिल कमानिया

हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर भजन गायक कन्हैया मित्तल ने कांग्रेस में शामिल होने का फैसला लिया था। जिसके बाद उनके इस फैसले का विरोध होने से कन्हैया मित्तल अपने ही बयान से पलट गए हैं और उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने का फैसला वापस ले लिया है। आज मंगलवार को उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लाइव आकर लोगों से माफी मांगी और कहा कि वह सनातनियों को सुनेंगे और उन्हीं का साथ देंगे। सनातनी भाई का भरोसा न टूटे- कन्हैया मित्तल कन्हैया मित्तल ने कहा कि पिछले दो दिनों से उन्हें यह एहसास हुआ कि उनके सभी सनातनी भाई-बहन खासकर बीजेपी के वरिष्ट नेता उनसे कितना प्यार करते हैं और इतनी चिंता करता है कि दो दिनों तक सब परेशान रहे हैं, इसलिए मैं उनसे माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा कि सब मेरी वजह से परेशान हैं और जो मैंने अपने मन की बात कही थी कि, मैं कांग्रेस में शामिल हो रहा हूं कर रहा हूं, मै इस बयान को वापस लेता हूं, क्योंकि मैं नहीं चाहते कि किसी भी सनातनी भाई का भरोसा टूटे। अगर आज मैं टूट जाऊंगा तो आगे पता नहीं कितने टुटेंगे। कन्हैया ने किया बीजेपी का धन्यवाद कन्हैया ने आगे कहा कि राम के थे राम के हैं और राम के रहें और फिर से आप सबसे माफी मांगता हूं, जिसके कारण आप परेशान हुए और कोई अपना ही होता है, जब कोई अपना गलती करता है, तो परेशान होता है। मुझे लगा कि मेरे मन की बात गलत है और इसलिए मैंने अपना फैसला वापस ले रहा हूं। अंत में कन्हैया मित्तल ने भाजपा के शीर्ष नेताओं से भी माफी मांगी और उनका धन्यवाद भी किया।

लोकतंत्र के पर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें मतदाता : रिटर्निंग अधिकारी

स्वास्तिक न्यूज/अनु शर्मा

सफीदों। सफीदों के रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम मनीष कुमार फौगाट ने कहा कि लोकतंत्र प्रणाली में जनता सर्वोपरि होती है और एक-एक वोट बहुत महत्वपूर्ण होता है। मतदाता लोकतंत्र के इस सबसे बड़े पर्व में अपनी भागीदारी जरूर सुनिश्चित करके अपने कर्तव्य का निर्वहन करें। यह अवसर हमें गंवाना नहीं चाहिए बल्कि मतदान करके अपने आप को गौरवान्वित महसूस करें। उन्होंने मतदाताओं से आह्वान करते हुए कहा कि मतदान करना उनका अधिकार है। वृद्ध मतदाताओं के साथ-साथ युवाओं को बढ़-चढ़कर लोकतंत्र में शामिल होना चाहिए। युवा खुद मतदान करने के साथ-साथ अपने आसपास के लोगों को भी मतदान के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करें। उन्होंने शिक्षण संस्थाओं के संचालकों को भी कहा कि स्वीप अभियान के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा सकती है।

पति की मारपीट से परेशान महिला ने लगाया फंदा

स्वास्तिक न्यूज/सुनिल कमानिया

फतेहाबादः गांव मोहम्मदपुर रोही में संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका के परिजनों ने उसके पति पर मारपीट करने और आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। इस बारे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले में मृतका के मायके पक्ष के बयान पर पति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सदर फतेहाबाद पुलिस को दी शिकायत में राजस्थान के हनुमानगढ़ निवासी दुलीचंद ने बताया कि बेटी की शादी के बाद उसे दो लड़कियां हुई। लड़कियां पैदा होने के बाद से पति पृथ्वी सिंह उसकी बेटी के साथ मारपीट करता और शराब पीकर कई बार उसे घर से भी निकाल देता। गांव के सरपंच प्रतिनिधि रतन सिंह ने उन्हें सूचना दी कि उसकी बेटी ने छत से फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना के बाद जब वह परिवार के साथ गांव एमपी रोही पहुंचा तो वहां रचना मृत अवस्था में पड़ी थी। रचना के साथ मारपीट करके उसके पति पृथ्वी सिंह ने या तो उसे फांसी पर लटका दिया या पृथ्वी सिंह की मारपीट से परेशान होकर उसकी लड़की ने फांसी लगाई है। गाड़ी की टक्कर से व्यक्ति की मौत शहर में भाटिया कालोनी के समीप एक तेज रफ्तार गाड़ी ने पैदल जा रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं गाड़ी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी।

सड़क दुर्घटना का मामला दर्ज

स्वास्तिक न्यूज/विशाल

सफीदों। सफीदों पुलिस ने सड़क दुर्घटना का मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव हाडवा निवासी सुरेंद्र ने कहा कि 9 सितंबर की रात 10 बजे वह अपने भाई संदीप की मोटरसाईकिल पर बैठकर भंभेवा से अपने गांव हाड़वा आ रहा था। दोनों भाई राजा वाली सड़क पर थे कि उसी समय एक अज्ञात कार चालक अपनी कार को तेज रफ्तार व लापरवाही से चलाता हुआ आया व कार की टक्कर उनकी मोटर साईकिल में मार दी। टक्कर लगते ही मोटरसाईकिल का बैलेंस बिगड़ गया और दोनों मोटरसाईकिल सहित सड़क के पास बहते रजबाहे में जा गिरे। उसने अपने भाई को रजबाहे से से निकलना चाहा लेकिन ज्यादा वजन होने के कारण निकाल नहीं सका। रजबाहे में गिरते समय संदीप का सिर लगा व खुन बहने लगा। इस घटना में लगी चोटों के कारण उसके भाई संदीप की मौत हो गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 व 106 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

स्वीप अभियान के तहत राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हुई रंगोली प्रतियोगिता

अपने मताधिकार का प्रयोग करना बहुत जरूरी: सुनीता नैन

स्वास्तिक न्यूज/विनय दिवान

उचाना। उचाना विधानसभा क्षेत्र की स्वीप कार्यक्रम अधिकारी सुनीता नैन ने बताया कि स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य के मार्गदर्शन में उचाना के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उचाना मंडी में स्कूली छात्राओं द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, छात्राओं द्वारा बनाई गई रंगोली आकर्षण का केन्द्र रही। रंगोली में छात्राओं द्वारा आओ मतदान करें का निबंध दशार्या गया जो कि आमजन को मतदान के प्रति प्रेरित कर रहा था। स्कूली छात्राओं द्वारा इस अवसर पर मतदान के प्रति जागरूकता लाने के लिए हाथों में तिरंगा पट्टी लेते हुए रैली भी निकाली गई।

उचाना विधानसभा क्षेत्र की स्वीप कार्यक्रम अधिकारी सुनीता नैन ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सभी मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक वोट अमूल्य है, जिससे लोकतंत्र मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और यहां होने वाले चुनावों पर दुनिया की हमेश नजर रहती है। ऐसे में हम सब को भारतीय लोकतंत्र को और अधिक सशक्त एवं मजबूत बनाने के लिए मतदान प्रक्रिया में बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने छात्राओं से आहवान किया कि जो वोट डालने के पात्र है वे मतदान में अपना योगदान देने के साथ-साथ अपने परिजनों व आस- पड़ोस के व्यक्तियों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करें।

कॉलेज मैगजीन सत्यमबरा के दूसरे संस्करण का विमोचन कार्यक्रम संपन्न

स्वास्तिक न्यूज/ विशाल

सफीदोंः राजकीय महाविद्यालय सफीदों में कॉलेज मैगजीन सत्यमबरा के दूसरे संस्करण का विमोचन कार्यक्रम मंगलवार को संपन्न हुआ। पत्रिका का लोकार्पण महाविद्यालय प्राचार्या डा. तनाशा हुड्डा ने किया।

इस मौके पर डा. सरला सहरावत, डा. अंजु रानी शर्मा, मनीता, रीनु देवी, शील आर्या, सुनील देवी, सरबजीत कौर व शंकर विशेष रूप से मौजूद रहे। पत्रिका के संपादक डा. प्रदीप कुमार शर्मा व अशोक संधू ने मैगजीन की गुणवत्ता और टीम के योगदान की सराहना की।

प्राचार्या डा. तनाशा हुड्डा ने मैगजीन के संपादन और प्रकाशन में शामिल सभी सदस्यों की मेहनत की तारीफ की और इस प्रकार के रचनात्मक प्रयासों को आगे भी जारी रखने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि यह पत्रिका विद्यार्थियों और स्टाफ के लिए अभिव्यक्ति का मंच होने के साथ-साथ महाविद्यालय की शैक्षिक और सांस्कृतिक उपलब्धियों को भी दशार्ता है।

स्वास्तिक न्यूज पेपर के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक विनय दिवान द्वारा बी।डी। कॉर्प प्रिंटिंग प्रैस, प्लॉट न। 42-43, सेक्टर 29, पानीपत-132103 से मुद्रित तथा स्वास्तिक न्यूज कार्यालय गागड़ा मोहल्ला, मेन बाजार, वार्ड न। 8, सफीदों शहर शहर-126112 हरियाणा से जारी। सम्पादक एवं मुख्य संवाददाता विनय दिवान। मो। 94160-73460, समाचार से सम्बन्धित सभी विवादों का कार्यक्षेत्र सिर्फ सफीदों अदालत में होगा। RNI Reg. No. HARHIN/11380 Email swastiknewssafidon@gmail.com

आत्महत्या करने के लक्षणों की पहचान, बचाव और सहयोग को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण : डा. फौगाट

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस को लेकर हुआ कार्यक्रम का आयोजन

स्वास्तिक न्यूज/ विनय दिवान

जींद। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस को लेकर मंगलवार को आशीर्वाद अस्पताल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मनोरोग, मानसिक व नशामुक्ति विशेषज्ञ डा. विकास फौगाट ने आमजन को मानसिक बीमारियों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि दुनियाभर में हर साल 70 लाख लोग आत्महत्या करते हैं। इससे कई गुणा अधिक लोग आत्महत्या की कोशिश करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक 15 से 19 साल के युवाओं के बीच मौत की चौथी सबसे बड़ी वजह आत्महत्या है। लोग अवसाद, लाचारी और जीवन में कुछ नहीं कर पाने की हताशा के चलते आत्महत्या करते हैं। इसके अलावा आत्महत्या करने की मेडिकल वजहें भी हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि आत्महत्या एक गंभीर मनोवैज्ञानिक और सामाजिक समस्या है। अगर आप भी तनाव से गुजर रहे हैं तो इसका उपचार अवश्य करवाएं। सही समय पर

लोगों को जागरूक करते हुए डा. फौगाट।

सलाह और परामर्श से आत्महत्याओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। डा. विकास ने कहा कि विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस एक विश्व विशेष दिवस है। जिसका उद्देश्य आत्महत्या को रोकने और उसके प्रति जागरूकता फैलाना है। यह दिन विश्व भर में 10 सितंबर को मनाया जाता है। आत्महत्या एक मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, जिसमें व्यक्ति अपने जीवन को खत्म करने की कोशिश करता है। यह दिन लोगों को आत्महत्या के खिलाफ सहयोग और समर्थन प्रदान करने के लिए जागरूक करता है और सामाजिक मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों पर ध्यान देने का संदेश देता है। इस दिन कई आयोजन और जागरूकता कायक्रमों का आयोजन किया जाता है। जिनमें आत्महत्या के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समर्थन प्रदान करने का प्रयास किया जाता है। डा. विकास ने कहा कि विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस विशेष रूप से मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं जैसे कि आत्महत्या करने के लक्षणों की पहचान, बचाव और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। यह दिन भी आत्महत्या के प्रभाव को कम करने के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और सार्वजनिक स्तर पर कई प्रयासों का हिस्सा बनता है। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस का महत्व यह है कि यह आत्महत्या और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर जागरूकता फैलाने का माध्यम होता है। यह दिन लोगों को समझाता है कि आत्महत्या क्यों हो सकती है और कैसे इसे रोका जा सकता है। यह भी मानसिक स्वास्थ्य को महत्वपूर्ण बनाता है और उसके लिए समर्थन प्रदान करता है। आत्महत्या के कारण क्या हो सकते हैं। जिनमें मानसिक दिक्कतें, दुख, तनाव, निराशा, सामाजिक दूरी आदि है। आत्महत्या के खिलाफ सहयोग करने के लिए लोगों को ध्यान में रखना चाहिए कि मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में खुलकर बात करने का समर्थन करना चाहिएए और आवश्यकता पड? पर पेशेवर सहायता प्रदान करना चाहिए। आत्महत्या पर सहायता प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत सहायता, मानसिक स्वास्थ्य चिकित्साएं और हैल्पलाइन सेवाएं 9416851145, 850051145 के लिए उपलब्ध हैं।

जिला में मतदान के लिए बनाए 1036 मतदान केंद्र

स्वास्तिक न्यूज/ विनय दिवान

जींद। जींद विधानसभा आम चुनाव 2024 में ड्यूटी देने वाले पीठासीन एवं सहायक पीठासीन अधिकारियों का पहला रेडेंमाइजेशन लघु सचिवालय सभागार में हुआ। रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया जिला निर्वाचन अधिकारी मोहम्मद इमरान रजा की उपस्थित में पूरी की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला के कुल 1036 मतदान केंद्रों है। इन मतदान केंद्रों के साथ-साथ पहली रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया पूरी की गई है। इस रेंडमाइजेशन के उपरांत इन सभी पीओ एवं एपीओ की ट्रेनिंग शुरू की जाएगी। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों से उनके नियंत्रण में कार्य कर रहे कर्मियों को उनके

प्रथम रेंडमाइजेशन में भाग लेते हुए अधिकारी।

चुनाव ड्यूटी ऑर्डर जल्द से जल्द उपलब्ध करवाने तथा सभी कर्मियों को आदेशानुसार अपने चुनाव ड्यूटी आदेश प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पीठासीन एवं सहायक पीठासीन अधिकारियों की 12 व 13 सितंबर को चुनावी रिहर्सल करवाई जाएगी। यह रिहर्सल चार अलग-अलग शिफ्टों में होनी निश्चित हुई है। जींद के प्रियदर्शनी इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय में 12 सितंबर को प्रातः 10 बजे पहली शिफ्ट व दोपहर दो बजे दूसरी शिफ्ट की रिहर्सल होगी। इसी प्रकार दिनांक 13 सितंबर को प्रातः 10 बजे पहली शिफ्ट व दोपहर दो बजे दूसरी शिफ्ट की रिहर्सल होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव संपन्न करवाने में पोलिंग स्टाफ की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। अतः जिस भी कर्मचारी की चुनाव प्रक्रिया में किसी भी पर पर लगे उसे उस कर्मचारी को कर्तव्यपरायणता एवं ईमानदारी से अपनी ड्यूटी का निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि पीओ एवं एपीओ अपनी ट्रेनिंग को बेहतर तरीके से पूरा करें। इस मौके पर उचाना के रिटर्निंग अधिकारी विवेक आर्य, जींद विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी वीरेन्द्र सहरावत, जुलाना विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी अनिल कुमार दून, सफीदों के रिटर्निंग अधिकारी मनीष कुमार फौगाट, नरवाना के रिटर्निंग अधिकारी दलजीत सिंह, एडीआईओ सुषमा देशवाल, चुनाव नायब तहसीलदार प्रदीप सरोहा भी उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं से भरी स्कार्पियो पलटी, एक की मौत, 7 घायल

स्वास्तिक न्यूज/अन्नु शर्मा

जींद। जींद-असंध मार्ग पर गांव हसनपुर के निकट मंगलवार सुबह बाइक को बचाने के चलते श्रद्धालुओं से भरी स्कोर्पियो गाड़ी अनियंत्रित होकर खेतों मे पलट गई। जिसमें एक फौजी की मौत हो गई। जबकि सात गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक आर्मी में कार्यरत था और वह छुट्टी पर आया हुआ था। स्कोर्पियो सवार गोगामेडी से पूजा अर्चना कर घर वापस लौट रहे थे। अलेवा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव राहडा निवासी हैप्पी फौजी, विकास समेत आठ लोग पूजा-अर्चना के लिए गोगा मेडी गए हुए थे। मंगलवार को सभी लोग स्कोर्पियो गाड़ी में सवार होकर वह घर वापस लौट रहे थे। गांव हसनपुर के निकट जींद-असंध मार्ग पर

घायलों को पीजीआई ले जाते हुए परिजन।

उनकी गाड़ी के सामने अचानक बाइक आ गया। बाइक को बचाने के फेर में उनकी गाड़ी अनियंत्रित हो कर खेतों में पलट गई। जिसमें स्कोर्पियो सवार हैप्पी (24) फौजी की मौत हो गई। जबकि गाड़ी चालक विकास, पारस, लक्की, विनय, प्रदीप, वंश, विकास, घायल हो गए। सभी घायलों को पहले सीएचसी अलेवा ले जाया गया। फिर उन्हें नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने प्रदीप, लक्की तथा विकास की गंभीर हालात देख पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। गांव राहडा के सरपंच प्रतिनिधि सुरेंद्र राणा ने बताया कि मृतक हैप्पी वर्ष 2018 में आर्मी मे भर्ती हुआ था। परिजनों ने उसका रिश्ता भी तय किया हुआ था।

फिलहाल वह छुटटी आया हुआ था। स्कोर्पियो सवार सभी आठ लोग पूजा अर्चना के लिए गोगा मेडी गए थे। वापसी के दौरान बाइक को बचाने के फेर में उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर खेतों में पलट गई। जिसमें हैप्पी फौजी की मौत हो गई। जबकि सात घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राम रहीम को नहीं मिल रही राहत, हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस

- 3 सितंबर को होगी राम रहीम की फरलो समाप्त

स्वास्तिक न्यूज/सुनिल कमानिया

हरियाणा : सिरसा के डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को साल 2002 में पूर्व प्रबंधक रणजीत सिंह की हत्या के मामले बारी होने पर सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सोमवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश की जांच करने की सहमति दे दी, जिसमें राम रहीम और 4 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया गया था।

कोर्ट ने दिया 4 सप्ताह का समय बता दें कि इस हत्या के मामले में हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। इसके बाद अब जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले में राम रहीम और अन्य आरोपियों को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह में जवाब देने के लिए कहा है। दरअसल, यह याचिका जगसीर सिंह ने एडवोकेट सत्य मित्रा

के माध्यम से दायर की थी और इस याचिका में 28 मई, 2024 को जारी आदेश को चुनौती दी गई है और इस केस कि फिर से जांच करने के मांग की गई है। राम रहीम पर लगे हैं कई आरोप रणजीत सिंह के हत्या के मामले में राम रहीम को अपने सह-आरोपियों के साथ मिलकर आपराधिक साजिश रचने का दोषी पाया गया था।

सीबीआई की चार्जशीट के अनुसार, डेरा प्रमुख का मानना था कि गुमनाम पत्र के प्रसार के पीछे रणजीत सिंह का हाथ था। इसके बाद उसने उसकी हत्या की साजिश रची और उसे अपने साथियों के साथ मिलकर मौत के घाट उतार दिया। वहीं, साल 2017 में राम रहीम को 2 महिला शिष्य से बलात्कार के लिए 20 साल की सजा सुनाई गई थी।

इसके साथ ही डेरा प्रमुख और 3 अन्य आरोपियों को 16 साल पहले एक पत्रकार की हत्या के लिए 2019 में भी दोषी करार दिया गया था। सुनारिया जेल ले जाया गया था:- दरअसल, 13 अगस्त को उन्हें जेल से रिहा किया गया था और उत्तर प्रदेश के बागपत के बरनावा आश्रम में रहने की अनुमति मिली थी।

विनेश के खिलाफ भाजपा ने उतारा 'कैप्टन', बीजेपी ने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट की जारी

स्वास्तिक न्यूज/अभिषेक दिवान

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस सूची में 21 नामों को मंजूरी दी गई है। ज्ञात हो कि पिछली बार हरियाणा में भाजपा ने 67 उम्मीदवारों का एलान किया था। इस तरह अब तक प्रदेश में 88 सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए गए हैं।

इस सूची में नारायणगढ़ से पवन सैनी, पेहोवा से जय भगवान शर्मा, जुलाना से कैप्टन योगेश बैरागी को टिकट दिया गया है। कैप्टन की सीधी टक्कर कांग्रेस उम्मीदवार विनेश फोगाट से होगी। चार सितंबर को भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव के लिए पहली सूची जारी की थी। इस सूची में मुख्यमंत्री नायब सैनी का नाम भी था। वह कुरुक्षेत्र की लाडवा सीट से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। पांच अक्टूबर को होना है विधानसभा चुनाव

हरियाणा विधानसभा की सभी 90 सीटों के लिए एक ही चरण में मतदान होगा। जहां पहले चुनाव की तारीख एक अक्टूबर थी। उसे बदलकर 5 अक्टूबर कर दिया गया है।

वहीं विधानसभा चुनाव के नतीजे 8 अक्टूबर को आएंगे। हरियाणा में मौजूदा सरकार का कार्यकार 3 नवंबर 2024 को खत्म होगा। पिछले विधानसभा चुनाव (2019) में भाजपा और जजपा ने एक साथ सरकार बनाई थी। बात करें पिछले विधानसभा चुनाव के नतीजों की तो पिछली बार चुनाव में भाजपा को 40, कांग्रेस को 31 और जजपा सहित अन्य दलों को 19 सीटें मिली थीं।

प्रधानमंत्री मोदी पर टिप्पणी के मामले में थरूर को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- इससे किसी को दिक्कत क्या होगी?

शशि थरूर के खिलाफ निचली अदालत में अवमानना की कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगाई है।

स्वास्तिक न्यूज/सुनिल कमानिया

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री मोदी को लेकर 'शिवलिंग पर बिच्छू' वाले बयान पर शशि थरूर को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। थरूर के खिलाफ निचली अदालत में अवमानना की कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगाई है। दिल्ली सरकार और इखढ नेता को नोटिस जस्टिस हृषिकेश रॉय और आर महादेवन की पीठ ने मामले में दिल्ली सरकार और शिकायतकर्ता भाजपा नेता राजीव बब्बर को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने चार सप्ताह में नोटिस का जवाब मांगा है। थरूर ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसमें 29 अगस्त को उनके खिलाफ मानहानि की कार्यवाही को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। भाजपा नेता ने धार्मिक भावनाएं आहत होने की कही थी बात थरूर ने राजीव बब्बर द्वारा दायर आपराधिक मानहानि शिकायत और उन्हें आरोपी के रूप में तलब करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद्द करने की मांग की थी। बब्बर ने ट्रायल कोर्ट में थरूर के खिलाफ आपराधिक शिकायत दायर की थी, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि कांग्रेस नेता के बयान से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। कोर्ट ने पूछा - इस पर आपत्ति कैसे? सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति रॉय ने पूछा, "यह एक रूपक (ेइंस्त्रँङ्ङ१) है। क्या रूपक को किसी व्यक्ति की ओर इशारा करने के रूप में समझा जा सकता है? मुझे नहीं पता कि किसी को इस पर आपत्ति क्यों है"। वहीं, थरूर के वकील ने कहा कि थरूर ने जो भी टिप्पणी की थी वो मोदी पर प्रकाशित एक आर्टिकल का जिक्र करते हुए था। वकील ने कहा कि 2012 में

आर्टिकल में जो बात कही गई है थी, जब उसपर कुछ आपत्ति नहीं हुई, तो उसे वापस दोहराने से क्या दिक्कत है। थरूर ने क्या कहा था? अक्टूबर 2018 में थरूर ने दावा किया था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक अनाम नेता ने मोदी की तुलना "शिवलिंग पर बैठे बिच्छू" से की थी। कांग्रेस नेता ने कहा था कि यह एक असाधारण रूपक था।

तीन ट्रकों से 30 गाय तथा 23 बछड़े बरामद, तीन काबू

स्वास्तिक न्यूज/संवाददाता

जींद। गौरक्षकों ने पुलिस के सहयोग से गांव आसन के निकट तीन ट्रक को काबू कर उनमें से 30 गाय तथा 23 बछडों को बरामद किया है। सदर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन ट्रक चालकों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

> ट्रकों में गाय भर ले जाया जा रहा था गुजरात

गौरक्षक गांव ढाठरथ निवासी विनोद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि तीन ट्रकों ने गाय तथा बछडों को नेशनल हाइवे 152डी के माध्यम से गुजरात ले जाया जा रहा है। गौरक्षकों ने जब ट्रकों रोकने की कोशिश की तो वे उन्हें भगा कर ले गए। बाद में नेशनल हाइवे पर गांव आसन के निकट नाकाबंदी कर तीनो ट्रकों को काबू कर लिया।

पहले ट्रक की तलाशी ली गई तो उसमें दस गाय तथा दस बछड़ी मिली। चालक की पहचान दीपक कुमार रूप से हुई। दूसरे ट्रक में दस गाय तथा तीन बछड़ी मिली। चालक की पहचान रमेश के तौर पर हुई। तीसरे ट्रक से दस गाय तथा दस बछड़ी मिली।

जिसके चालक की पहचान कुलदीप के रूप में हुई। क्षमता से अधिक भरा जाने के कारण गोवंश की हालात दयनीय हो चुकी थी। सदर थाना पुलिस ने विनोद की शिकायत पर तीनों ट्रक चालकों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राहुल गांधी के बयान पर मचा बवाल, भाजपा ने कोर्ट में घसीटने की दी धमकी

स्वास्तिक न्यूज/सुनिल कमानिया

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सिखों को लेकर एक ऐसा बयान दिया, जिसपर बवाल मचा है। अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर गए राहुल ने कहा कि हमारी लड़ाई राजनीति को लेकर नहीं है, बल्कि इस बात पर है कि क्या एक सिख को उसके हक मिलते हैं की नहीं।

राहुल ने सिखों को लेकर कुछ ऐसा भी कहा, जिस पर भाजपा नेता भड़क गए और उनकी कड़ी आलोचना की सिखों पर क्या दिया था बयान? अमेरिका के वर्जीनिया में भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि हमारी लड़ाई ये है कि भारत में पगड़ी पहनने की अनुमति दी जाएगी और क्या सिख गुरुद्वारे जा

सकेंगे।

उन्होने कहा कि सबसे पहले, यह समझना होगा कि लड़ाई किस बारे में है। लड़ाई राजनीति के बारे में नहीं है। यह सतही है। लड़ाई इस बारे में है कि क्या एक सिख को भारत में पगड़ी पहनने की अनुमति दी जाएगी। या एक सिख को भारत में कड़ा पहनने की अनुमति दी जाएगी।

या गुरुद्वारा जाने दिया जाएगा। लड़ाई इसी बारे में है और सिर्फ उनके लिए नहीं, बल्कि सभी धर्मों के लिए है। भाजपा ने बोला हमला भाजपा ने अमेरिका में सिख समुदाय के बारे में राहुल गांधी की टिप्पणी की कड़ी आलोचना की।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि कांग्रेस नेता विदेश में संवेदनशील मुद्दों पर बोलकर 'खतरनाक धारणा' बनाने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि राहुल की टिप्पणी "भयावह" प्रकृति की है, क्योंकि इससे विदेश में रह रहे सिख समुदाय के सदस्यों के बीच झूठ फैलाने की कोशिश की गई है। कांग्रेस के शासन के दौरान हुए 1984 के सिख विरोधी दंगों का जिक्र करते हुए पुरी ने कहा, "अगर हमारे इतिहास में ऐसा कोई समय रहा है जब एक समुदाय के रूप में हमने चिंता, असुरक्षा और अस्तित्व के लिए खतरा महसूस किया है, तो वह समय वह रहा है जब राहुल गांधी का परिवार सत्ता में रहा है। उन्होंने कहा कि 1984 में सिख समुदाय के खिलाफ कत्लेआम किया गया था। करीब 3,000 निर्दोष लोग मारे गए थे। " राहुल गांधी को अदालत में घसीटेंगे... 'सिखों' पर दिए राहुल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता आरपी सिंह ने कांग्रेस नेता को चुनौती दी कि उन्होंने वर्जीनिया में सिखों के बारे में जो कुछ भी कहा, अगर वो उसे भारत में दोहराएं, तो उनके खिलाफ मामला दायर कर अदालत में घसीटेंगे।

क्या बर्खास्त हो जाएगी केजरीवाल सरकार? राष्ट्रपति ने गृह मंत्रालय को भेजी BJP विधायक की चिट्ठी

स्वास्तिक न्यूज/संवाददाता

दिल्ली :आबकारी नीति में कथित घोटाले को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में हैं। इस बीच दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगने का खतरा मंडरा रहा है। ताजा मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज मंगलवार को गृह मंत्रालय को भाजपा विधायकों की चिट्ठी भेजी है। इससे पहले 30 अगस्त को भाजपा विधायकों ने राष्ट्रपति से मिलकर उन्हें पत्र सौंपा था। आबकारी नीति में कथित घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में होने के बीच दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगने का खतरा मंडरा रहा है। हालांकि, आम आदमी पार्टी ने बार-बार सीएम केजरीवाल द्वारा जेल से दिल्ली सरकार चलाने की बात दोहराई है। बर्खास्त करें दिल्ली सरकार- बीजेपी ताजा मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज मंगलवार को गृह मंत्रालय को भाजपा विधायकों की चिट्ठी भेजी है।इससे पहले, 30 अगस्त को दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने दिल्ली में संवैधानिक संकट उत्पन्न होने का आरोप लगाते हुए दिल्ली सरकार बर्खास्त करने की मांग की थी।

दिल्ली में बेहाल हो गई प्रशासनिक व्यवस्था- भाजपा उन्होंने कहा था, "दिल्ली में प्रशासनिक व्यवस्था पंगु हो गई है। आबकारी नीति घोटाले के आरोप में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल चार महीने से अधिक समय से जेल में हैं। जेल में बंद होने के बावजूद, केजरीवाल ने इस्तीफा देने से मना कर दिया है, जिससे संवैधानिक संकट उत्पन्न हो गया है। दिल्ली नगर निगम को नहीं मिल पा रहा फंड भाजपा नेता ने आगे कहा था, "दिल्ली में प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लेने में देरी हो रही है, जिससे आवश्यक सेवा प्रभावित हो रही हैं। आप सरकार संवैधानिक नियमों और परंपराओं का उल्लंघन कर रही है। छठे दिल्ली वित्त आयोग का गठन अप्रैल 2021 से लंबित है। इससे दिल्ली नगर निगम को आवश्यकता के अनुसार फंड नहीं मिल रहा है। " राजधानी में बिगड़ रही शासन व्यवस्था- भाजपा विजेंद्र गुप्ता ने कहा था, दिल्ली सरकार कैग की 11 रिपोर्ट को विधानसभा में प्रस्तुत नहीं कर रही है। विधायकों ने ज्ञापन में आबकारी घोटाला, दिल्ली जल बोर्ड में भ्रष्टाचार सहित भ्रष्टाचार के अन्य आरोपों का भी उल्लेख किया है। दिल्ली सरकार पर केंद्र सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में जानबूझकर बाधा डालने का आरोप लगाया है।